

भूखे पेट खराब फैसले होते हैं

इस्राइल में किए गए एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि जब न्यायाधीश भूखे होते हैं, तब कैदी के पैरोल पर छूटने की संभावना कम होती है। यह अध्ययन करने वाले न्यूयॉर्क के कोलंबिया बिज़नेस स्कूल के जोनाथन लेवाव और उनके साथियों का कहना है कि यह निष्कर्ष उन सारे फैसलों पर लागू हो सकता है जो एक-एक करके क्रम से किए जाते हैं।

इस अध्ययन के लिए लेवाव ने पिछले 10 माह में आठ न्यायाधीशों द्वारा 1112 पैरोल सुनवाई में सुनाए गए फैसलों का विश्लेषण किया। न्यायाधीशों का दिन तीन भागों में बंटा होता है। सुबह के सत्र के बाद वे चाय-नाश्ते का ब्रेक करते हैं और फिर दूसरे सत्र के बाद लंच ब्रेक और फिर तीसरा सत्र। न्यायाधीश इन ब्रेक्स का समय तो खुद तय करते हैं मगर उनका इस बात पर कोई नियंत्रण नहीं होता कि मामले किस क्रम में उनके सामने पेश होंगे।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि सत्र की शुरुआत में किसी कैदी को पैरोल मिलने की संभावना 65 प्रतिशत होती है। सत्र का समय बीतने के साथ यह संभावना कम होती जाती है और ब्रेक से पहले लगभग शून्य हो जाती है। सबसे रोचक बात यह सामने आई कि ब्रेक के बाद एक बार फिर पैरोल पर छोड़े जाने की

संभावना बढ़कर 65 प्रतिशत हो जाती है।

शोधकर्ताओं ने इस बात पर भी ध्यान दिया कि जुर्म की गंभीरता, जेल में बिताया जा चुका समय, पूर्व में मिल चुकी सज़ा, पुनर्वास कार्यक्रमों की उपलब्धता के आधार पर इस अंतर की व्याख्या नहीं हो सकती। यहां तक कि कैदी की राष्ट्रीयता या लिंग का भी न्यायाधीशों के फैसलों से कोई ताल्लुक नहीं दिखा। नेशनल एकेडमी ऑफ साइन्सेज़ में प्रकाशित इस अध्ययन का निष्कर्ष है कि न्यायाधीशों की थकान या भूख ही इसके लिए जिम्मेदार है।

शोधकर्ताओं की व्याख्या है कि जैसे-जैसे व्यक्ति थकता जाता है, वह आसान रास्ता अपनाता है - इस मामले में पैरोल से इन्कार करना आसान रास्ता है। उनका कहना है कि यह स्थिति उन सब मामलों में उभरेगी जहां व्यक्ति को एक के बाद एक फैसले करने होते हैं या सलाह देनी होती है। जैसे डॉक्टर्स, नौकरी के लिए साक्षात्कार करने वाले इंटरव्यू पैनल वगैरह। दरअसल लेवाव व उनके साथी अब इसी प्रकार का अध्ययन डॉक्टरों के संदर्भ में करना चाहते हैं। उनका कहना है कि इस अध्ययन में फैसलों में जितना अंतर दिख रहा है, यदि वास्तव में उससे आधा भी हो तो भी यह एक विचारणीय प्रश्न है। (स्रोत फीचर्स)